Challenges During Covid -19

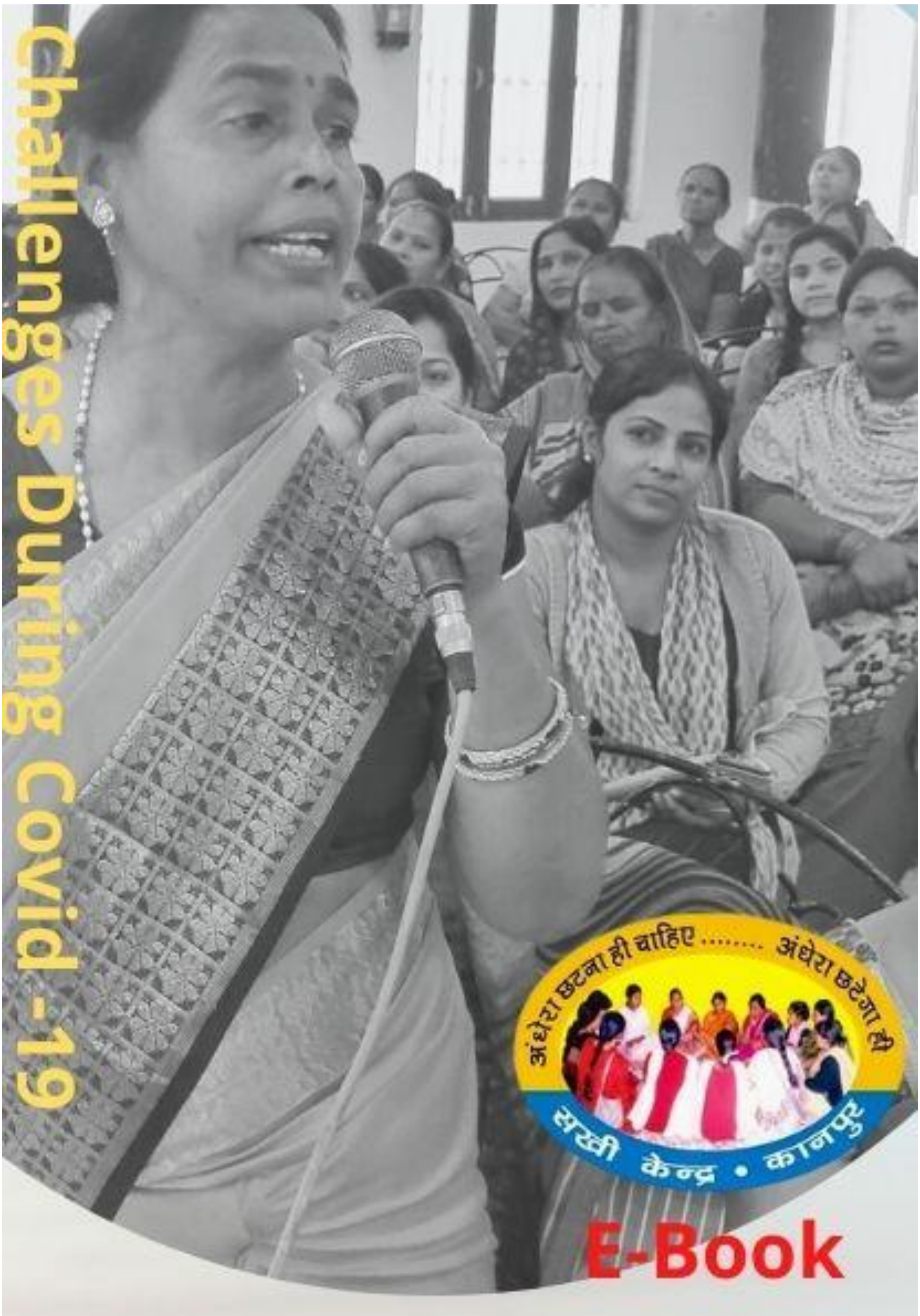

E-Book

WEBSITE

https://www.sakhikendra.com/

APP

https://m.sakhikendra.com/

Sakhi Kendra

71 HIG KDA Colony, E-Block, Shyam Nagar,
Kanpur - 13
Mob. 9336115763

WAY TO SAKHI KENDRA

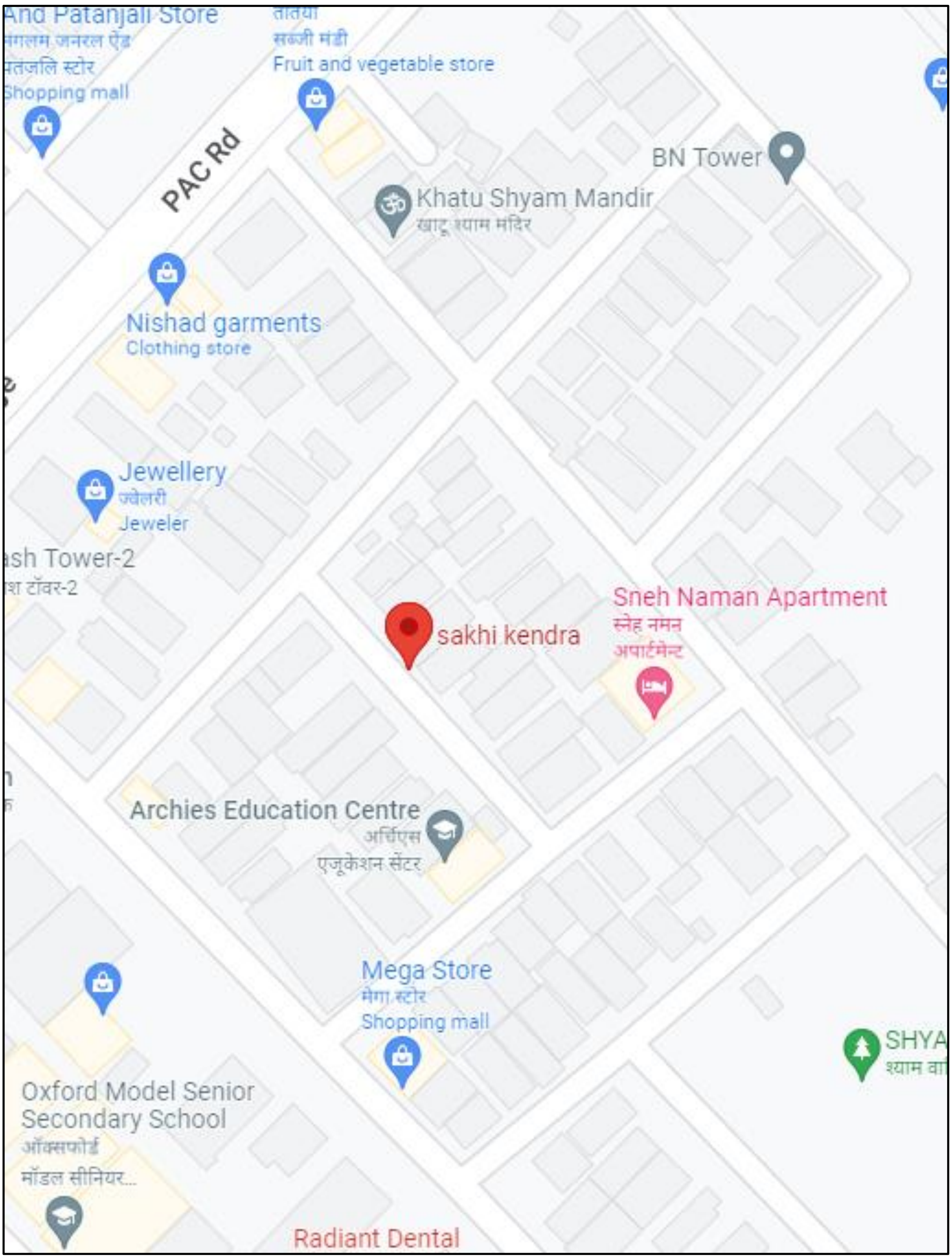

"सखी केंद्र" कोविड चुनौतियों से उबरने में लोगों का सहयोग

साल 2020 में कोविड 19 ने सदी की सबसे बड़ी महामारी के रूप में पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया था। इस महामारी का खामियाजा भारत समेत दुनिया को भुगतना पड़ा था और आज भी वह प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से इस महामारी से जूझ रहा है। पूरी दुनिया में कोविड–19 की वजह से मची उथल–पुथल से हम सभी वाकिफ हैं। इस महामारी से गरीब और पिछड़े वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कोविड 19 के दौरान कई परिवारों ने अपनों को खो दिया। हम सभी ने इस बीमारी की पहली लहर के दौरान लॉकडाउन के बाद असंगठित क्षेत्र में प्रवासी कामगारों की दुर्दशा देखी। उन्हें अपने घर लौटने के लिए तमाम तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ा। लॉकडाउन के दौरान देश के गरीब लोगों को आर्थिक, शारीरिक या मानसिक रूप से हर तरह से नुकसान उठाना पड़ा।

उस समय कई संस्थाओं और दानदाताओं ने उदारता से जरूरतमंद लोगों का समर्थन किया और उन्होने अपनी तिजोरी और अन्न भंडार खोले। इसी कड़ी में सखी केंद्र ने भी

गांवों में अपनी टीम को सक्रिय कर दिया। विशेष रूप से प्रवासी मजदूरों के लिए आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराने का हर संभव प्रयास किया गया है। प्रवासी मजदूरों को भोजन, दवा, बच्चों के लिए दूध, महिलाओं के लिए सैनिटरी नैपकिन, साबुन, तेल आदि प्राथमिकता के आधार पर दिए गए।

''सखी केंद्र'' के लिडर्स और महिला अधिकार अधिवक्ताओं ने इस कठिन समय के दौरान लोगों की लगन से मदद की। इन लोगों ने प्राथमिकता के आधार पर सर्वाधिक जरूरतमंद लोगों तक खाद्य सामग्री पहुंचाने का लगातार काम किया। लेकिन उस दौरान जब टीम बस्ती में गई तो देखा कि दूसरों की मदद करने वाले लिडर्स के घर भी जरूरी सामान खत्म होने की कगार पर हैं। घर में न खाना था, न बच्चों के लिए दूध, न साबुन, न तेल, न सैनिटरी नैपकिन, कुछ भी नहीं। इस समय क्रिश्चियन एड (यूके) ने सखी केंद्र की मदद की, और केंद्र ने 2 महीने का आटा, चावल, तेल, चीनी, साबुन, सैनिटरी नैपकिन आदि

वितरित किए। यह सब लगभग 250 महिला लीडर्स के घरों तक पहुंचाया गया।

दूसरी ओर एक और बड़ी समस्या महिलाओं और लड़कियों के यौन, शारीरिक और मानसिक शोषण की थी। लॉकडाउन के दौरान, कोविड के कारण, परिवारों में लड़कियों और महिलाओं के खिलाफ

शारीरिक और मानसिक हिंसा में भी वृद्धि हुई थी। पुलिस पर इतनी जिम्मेदारी थी कि महिलाओं की फरियाद सुनने वाला कोई नहीं था। तब हमारी आपातकालीन हेल्पलाइन सेवा और परामर्शदाताओं ने उन्हें हर संभव सहायता और ध्यान प्रदान किया।

केंद्र ने दर्जनों मनोवैज्ञानिक परामर्शदाताओं से बात की जिन्होंने ऑनलाइन परामर्श के माध्यम से मदद की। कोविड 19 के दौरान महिलाओं के खिलाफ शोषण की स्थिति बहुत चिंताजनक थी। पहले कानपुर में, फिर से हर महीने महिलाओं के खिलाफ हिंसा के 100 से 150 मामले, एक महीने में 300 से 350 शिकायतें हमारे पास आने लगीं। हमारी टीम ने इसे बहुत कुशलता से संभाला

और हर महिला को सहायता के साथ–साथ भावनात्मक समर्थन भी प्रदान किया।

कोविड 19 की दूसरी लहर विनाशकारी थी। जो लोग दूसरों की मदद करने की कोशिश कर रहे थे वे भी बीमार होने लगे। लोगों के घरों में दवा छोड़ो, खाने को भी नहीं था। कहीं खाने की वजह से, कहीं दवाओं की वजह से, कहीं ऑक्सीजन की वजह से लोग बेहाल हो रहे थे। इस मुश्किल घड़ी में कई दोस्तों ने हमारी आर्थिक मदद भी की।

इन सहायकों में अनुपमा जी (मिसेज ऑस्ट्रेलिया) ने ₹50,000 से केंद्र की मदद की। लखनऊ के एक युवक ने भी ₹30,000 की मदद दी।

सखी केंद्र की अपनी कुछ आरक्षित निधि थी, वह भी लोगों की मदद के लिए इस्तेमाल की जाती थी। कानपुर जिले में एक ऑनलाइन नेटवर्क बनाया गया था, जिसमें कई संगठन और कई लोग व्यक्तिगत रूप से शामिल थे।

एक बार फिर क्रिश्चियन एड (यूके) ने पल्स ऑक्सीमीटर, बीपी मशीन और पीपीई किट देकर लोगों को सहयोग प्रदान किया। दूसरी लहर के दौरान स्थिति इतनी विकट

थी कि यह जानना मुश्किल था कि किसको क्या चाहिए। इस समय सखी केंद्र ऑनलाइन काम कर रहा था और 'सखी केंद्र सपोर्ट नेटवर्क' नामक ऐप भी शुरू किया गया था। 2 लीडर्स के सत्यापन के साथ केंद्र ने लोगों की जरूरतों को चिह्नित करना और वर्गीकृत करना शुरू कर दिया, चाहे वह भोजन, दवा, ऑक्सीजन, रक्त के रूप में हो।

वहीं लोगों ने सखी केंद्र सपोर्ट नेटवर्क ऐप का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया और अपनी समस्या को अपलोड करना शुरू कर दिया। इस चरण के दौरान सखी केंद्र ने रू 2000, रू 5000, रू10000 एवं रु15000 कि वित्तीय सहायता प्रदान की और 542 लोगों के बैंक खाते में भेजा । लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करना भी बहुत आसान नहीं था, क्योंकि कई ऐसे जरूरतमंद लोग थे जिनके पास बैंक खाता नहीं था या तो बैंक खाता लंबे समय से संचालित नहीं होने के कारण बंद कर दिया गया था, या बैंक का किसी अन्य बैंक में विलय कर दिया गया था। उस वक्त बैंक के लोग भी मदद के लिए तैयार नहीं थे। केंद्र को कई लोगों के केवाईसी आदि जमा

करके बैंक खाता खोलने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ा।

इस ऐप ने मुख्य रूप से दो तरह के लोगों को जोड़ा, एक मदद चाहने वाला (जिसे मदद की जरूरत थी), और दूसरा सहायता प्रदाता, (जो हर तरह से दूसरों की मदद कर सके)। डॉक्टर, मनोवैज्ञानिक, मनोचिकित्सक, वकील, सरकारी अधिकारी, कई अन्य संगठन, पत्रकार, कई व्यक्ति भी।

सबसे दुखद बात यह है कि इस दूसरी लहर में हमने बहुत महत्वपूर्ण लिडर के साथ–साथ सखी केंद्र के कार्यकारी बोर्ड सदस्य, जाने–माने मनोवैज्ञानिक डॉ सरोज राठौर जी को खो दिया।

इस उथल–पुथल में केंद्र ने सभी प्रकार की मानसिक, शारीरिक और वित्तीय समस्याओं का अनुभव किया। कई नई चीजें सीखीं जैसे ऑनलाइन लोगों की मदद करना, काउंसलिंग, मीटिंग, सेमिनार आदि।

सखी केंद्र सपोर्ट नेटवर्क ऐप ने लोगों की कई तरह से मदद की। इस ऐप को जुलाई 2021 में लॉन्च किया गया था, और मार्च 2022 तक, 8 महीने की अवधि में, 4500 से अधिक लोगों ने इसे न केवल डाउनलोड किया और इसमें शामिल हुए, बल्कि अपनी

समस्याओं को पोस्ट करके और अपने काम को साझा करके मदद भी की। उस मुश्किल समय में शुरू हुआ ऐप लोगों की जरूरत बन गया। हमें गर्व है कि सखी केंद्र की हमारी टीम ने पूरे समर्पण और दृढ़ संकल्प के साथ हर स्तर पर लोगों की मदद की और हम इस कठिन समय में अपने उद्देश्यों को पूरा करने में सफल रहे।

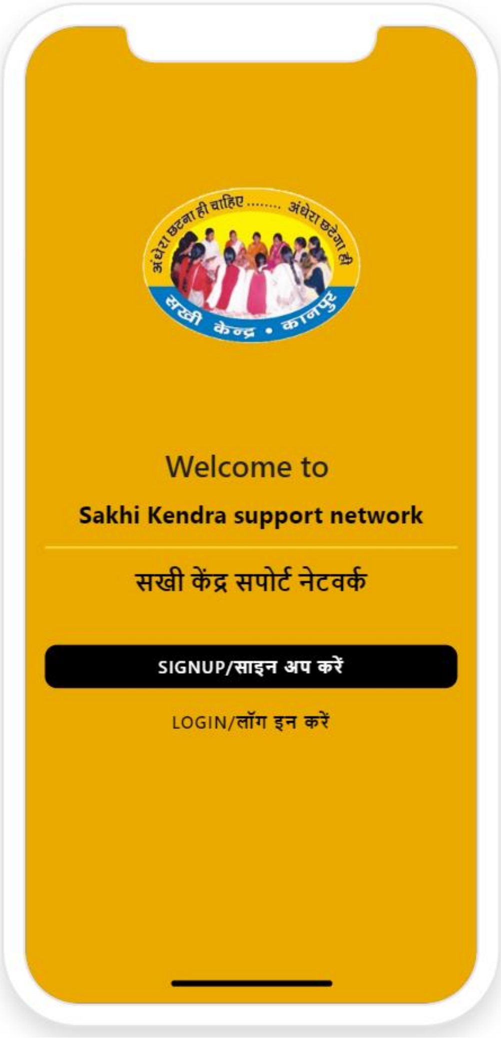

DIDI - A Documentary Based on the Women who live for others

https://www.youtube.com/watch?v=LvkEIpiKTeA&t=3s

Quiet Pandemonium

https://www.youtube.com/watch?v=apfGK1MvrzY

Quiet Pandemonium is the first part of a documentary series called 'The Analysis', the series of these short documentaries explore the conditions of marginalized women in India during and post Covid 19.

Sakhi Kendra's Work During COVID 19 Pendamic The Guardian

https://www.youtube.com/watch?v=6T0_gwDFCM8

Sakhi Kendra's Work During COVID 19 Pandemic Covered by The British Podcast

https://www.youtube.com/watch?v=A2T6ZM2cfsQ

-: CONNECT WITH US :-

- https://www.facebook.com/neelam.chaturvedi.146

Sakhi Kendra
By nishant tripathi's Team
Sakhi Kendra Support Network
SHARE APP

Scan to Install

- **m.sakhikendra.com**
- Contact No.
  - ✓ 9336115763
  - ✓ 6393696353

SHOW YOUR SUPPORT!

DONATE

and support us

TODAY!

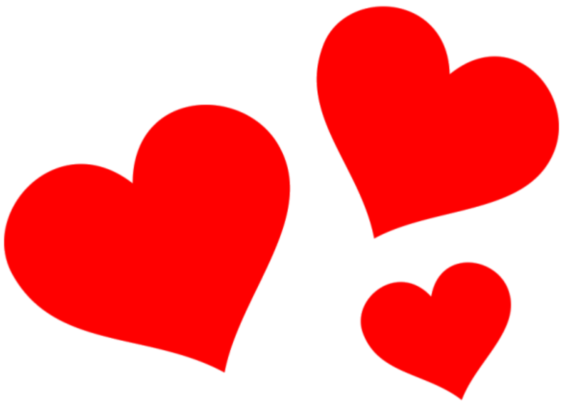

-Account Name-

Sakhi Kendra

-Account Number-

17450100004701

-IFSC Code-

UCBA0001745

THANK
YOU